web: www.nyaysakshi.com || पृष्ठ-2 में पढ़ें संपादकीय-खेल-व्यापार-धर्म-खाना खजाना-राशिफल || पृष्ठ-3 में पढ़ें छत्तीसगढ़-प्रादेशिक

दैनिक न्याय साक्षी

अधिकार से न्याय तक

आवश्यक सूचना

आप सभी को सूचित करते हर्ष हो रहा है, कि न्यायसाक्षी अधिकार से न्याय तक का सर्वे का कार्य तेजी से चल रहा है, जल्द ही सर्वे की टीम आपके घर विजिट करेगी, कृपया अपनी प्रति सुरक्षित कराएं।

RNI NO - CHHHIN/2018/76480 || Postal Registration No-055/Raigarh DN CG || रायगढ़, शुक्रवार 03 सितंबर 2021 || पृष्ठ-4, मूल्य 3 रूपए || वर्ष-03, अंक- 334

आतंकी संगठन आईएसआईएस-के निशाने पर भारत के नेता और धार्मिक स्थल

» भारतीय खुफिया एजेंसी ने जारी किया अलर्ट

नई दिल्ली (आरएनएस)। अफगानिस्तान और पाकिस्तान में सक्रिय आतंकवादी संगठन आईएसआईएस खुरासान भारत में बड़ा धमाका कर सकता है। खुफिया एजेंसियों की ओर से हमले का अलर्ट जारी किया गया है। खुफिया रिपोर्ट के मुताबिक आईएसआईएस-के के प्रशिक्षित आतंकी भारत में धमाके कर सकते हैं। आतंकियों के निशाने पर हिन्दू मंदिर, नेता और भीड़भाड़ वाली जगह को निशाना बना सकते हैं।

एक रिपोर्ट के अनुसार अफगान-पाक में मौजूद आतंकी संगठन के आलाकमान ने भारत में मौजूद अपने स्लीपर सेल से संपर्क किया है। सूत्रों के हवाले से कहा गया है कि भारत में मौजूद आतंकियों को आईइडी और छोटे हथियारों के लिए फंड का भरोसा दिया है। कश्मीर और बैंगलोर के आतंकी गुट के पकड़े गए सदस्यों के जरिये ये खुलासा हुआ है। कहा जा रहा है पकड़े गए आतंकी गुट के सदस्य अफगानिस्तान और पाकिस्तान के ऑपरेटर के संपर्क में थे। खुफिया रिपोर्ट में कहा गया है कि आईएसआईएस खुरासान के लोग भारत में भीड़भाड़ वाली जगहों के अलावा विदेशियों को भी निशाना बना सकते हैं। आईएसआईएस-के का तालमेल पाकिस्तान के कई आतंकी संगठनों से है और उसकी कोशिश है कि किसी भी तरीके से किसी बड़े हमले को अंजाम दिया जाए।

आतंकी संगठन में शामिल हुए 25 भारतीय- एक दिन पहले ही अफगान में 25 भारतीयों के आईएसआईएस में शामिल होने की खबर सामने आई थी। ये सभी भारतीय अफगानिस्तान की जेलों में बंद थे लेकिन हाल ही में जेल से निकल गए हैं। जानकारी के मुताबिक, आईएसआईएस-के इन सभी लोगों का इस्तेमाल भारत में आतंक फैलाने के लिए भी कर सकता है। हाल ही में आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट खुरासान से जुड़े केरल के रहने वाले 14 लोगों का भी पता चला था, जो काबुल में हमले की योजना बनाने में शामिल थे।

चर्चा में खुरासान मॉड्यूल- इस्लामिक स्टेट ऑफ खुरासान के नक्शे में भारत का गुजरात, राजस्थान, पंजाब, हरियाणा और जम्मू कश्मीर आता है। वहीं इसमें आधा चीन, पाकिस्तान, ईरान, तुर्कमेनिस्तान, उज्बेकिस्तान, कजाकिस्तान, किर्गिस्तान आता है। मध्य प्रदेश में ट्रेन ब्लास्ट की कोशीश और यूपी की राजधानी लखनऊ में हुए एक एनकाउंटर के बाद आतंकी संगठन आईएसआईएस के खुरासान मॉड्यूल का नाम अचानक चर्चा में आया था। इस आतंकी संगठन की जम्मू-कश्मीर में गहरी पैठ बताई जाती है। यह आतंकी संगठन लगातार भारत में गजवा-ए-हिंद एजेंडे के तहत युवाओं को आतंकी बनाने के प्रयास में लगा है।

उच्चतम न्यायालय ने सोशल मीडिया पर फर्जी व साम्प्रदायिक खबरों पर जतायी चिंता

नई दिल्ली (आरएनएस)। उच्चतम न्यायालय ने सोशल मीडिया मंचों और वेब पोर्टल्स पर फर्जी खबरों पर आज गंभीर चिंता जतायी और कहा कि मीडिया के एक वर्ग में दिखायी जाने वाली खबरों में साम्प्रदायिकता का रंग होने से देश की छवि खराब हो सकती है।

प्रधान न्यायाधीश एन वी रमण, न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति ए एस बोपन्ना की पीठ फर्जी खबरों के प्रसारण पर रोक के लिए जमीयत उलेमा-ए-हिंद की याचिका सहित कई याचिकाओं पर सुनवाई कर रही थी। जमीयत उलेमा-ए-हिंद ने अपनी याचिका में निजामुद्दीन स्थित मरकज में धार्मिक सभा से संबंधित 'फर्जी खबरें' फैलाने से रोकने और इसके लिए जिम्मेदार लोगों पर कड़ी कार्रवाई करने का केंद्र को निर्देश देने का अनुरोध किया गया है। पीठ ने पूछा कि निजी समाचार चैनलों के एक वर्ग में दिखायी हर चीज साम्प्रदायिकता का रंग लिए है। आखिरकार इससे देश की छवि खराब हो रही है। क्या आपने (केन्द्र) इन निजी चैनलों के नियमन की कभी कोशिश भी की है। उच्चतम न्यायालय ने कहा कि सोशल मीडिया केवल 'शक्तिशाली आवाजों' को सुनता है और न्यायाधीशों, संस्थानों के खिलाफ बिना किसी जवाबदेही के कई चीजें लिखी जाती हैं। कोर्ट ने कहा कि वेब पोर्टल्स और यूट्यूब चैनलों पर फर्जी खबरों तथा छींटाकशी पर कोई नियंत्रण नहीं है। अगर आप यूट्यूब देखेंगे तो पाएंगे कि कैसे फर्जी खबरें आसानी से प्रसारित की जा रही हैं और कोई भी यूट्यूब पर चैनल शुरू कर सकता है। उच्चतम न्यायालय सोशल मीडिया तथा वेब पोर्टल्स समेत ऑनलाइन सामग्री के नियमन के लिए हाल में लागू सूचना प्रौद्योगिकी नियमों के मुद्दे पर विभिन्न उच्च न्यायालयों से याचिकाओं को स्थानांतरित करने की केंद्र की याचिका पर छह हफ्ते बाद सुनवाई करने के लिए राजी हो गया।

जेईई मेंन्स परीक्षा : धांधली की शिकायत पर देश में 20 ठिकानों पर सीबीआई की रेड

नई दिल्ली(आरएनएस)। सीबीआई ने आज जेईई (मेन्स) परीक्षा के आयोजन में कथित अनियमितताओं को लेकर एफिनिटी एजुकेशन प्राइवेट लिमिटेड और उसके निदेशकों के खिलाफ मामला दर्ज किया। सीबीआई की विभिन्न टीमों ने देशभर में 20 स्थानों पर छापेमारी की। ये रेड दिल्ली-राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र, पुणे और जमशेदपुर समेत विभिन्न शहरों में की गईं। इस कार्रवाई के बारे में सीबीआई प्रवक्ता जोशी ने बताया कि सीबीआई ने संस्थान, उसके निदेशकों, उनके दलालों/सहयोगियों और परीक्षा केंद्र पर तैनात कर्मचारियों और अन्य अज्ञात व्यक्तियों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। उन्होंने बताया कि एक निजी कंपनी, उसके निदेशकों एवं तीन कर्मचारियों सहित अन्य लोगों के खिलाफ एक सितंबर, 2021 को मामला दर्ज किया गया।

इन दिनों जेईई मेंस परीक्षा 2021 के फेस-4 के पेपर चल रहे हैं। इस फेस की परीक्षा 26, 27 और 31 अगस्त को हुई। इसके बाद 1 और 2 सितंबर को भी इसकी बची परीक्षा हुई। इस परीक्षा की ऑफिशियल आंसर की 4 सितंबर को जारी हो सकती है। इस परीक्षा के पहले, दूसरे और तीसरे फेस के एग्जाम फरवरी, मार्च और जुलाई में हुए थे।

देश में दो माह बाद सबसे ज्यादा आए कोरोना मरीज

» 24 घंटे में 47,092 नए मामले, 509 मरीजों की मौत

नई दिल्ली (आरएनएस)। देश में पिछले तीन दिन से कोरोना संक्रमण के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं। पिछले पिछले 24 घंटों में कोरोना के सामने आए 47,092 नए मामले पिछले दो माह बाद सर्वाधिक दैनिक मामले हैं। वहीं इस दौरान संक्रमण के कारण 509 मरीजों की मौत दर्ज की गई है।

केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय के गुरुवार को जारी आंकड़ो के मुताबिक पिछले 24 घंटों में कोरोना के 47,092 नए मामले सामने आए हैं। वहीं कोरोना का उपचार करा रहे 35,181 लोग ठीक होकर घरो को लौटे है। इस दौरान एक दिन में 509 लोगों ने संक्रमण की वजह से अपनी जान गंवाई है। इसके अलावा एक दिन में उपचाराधीन मामलों में भी 11,402 सक्रीय मरीजों की बढ़ोतरी दर्ज की गई। अब तक देश में कोरोना के 3,28,57,937 संक्रमण के मामले सामने आ चुके है, जिनमें से 3,89,583 यानि 1.19 प्रतिशत सक्रीय मरीज अभी भी इलाजरत हैं। वहीं अबतक देश में 3,20,28,825 लोग कोरोना संक्रमण को मात दे चुके हैं। जबकि इस खतरनाक संक्रमण की चपेट में आए 4,39,529 लोगों को अपनी जान गंवानी पड़ी है। हालांकि देश में अब दैनिक पॉजिटिविटी रेट 2.80 प्रतिशत है। जबकि तेजी से कोरोना से ठीक हो रहे मरीजों के बाद रिकवरी रेट 97.48 प्रतिशत हो गया है। जबकि कोविड-19 से मृत्यु दर 1.34 प्रतिशत है।

केरल को लेकर चिंता

पिछले 24 घंटे में आए 47,092 कोरोना मामलों में 32,803 मामले अकेले केरल राज्य में मिले हैं, जबकि 509 मौतों में 173 मौतें अकेले केरल में दर्ज की गई हैं। जबकि महाराष्ट्र में 183 लोगों की मौत हुई। कोरोना वायरस संक्रमण से अब तक कुल 4,39,529 लोगों की हुई मौतों में से महाराष्ट्र में 1,37,496 लोग, कर्नाटक में 37,339 लोग, तमिलनाडु में 34,941 लोग, दिल्ली में 25,082 लोग, उत्तर प्रदेश में 22,825 लोग, केरल में 20,961 लोग और पश्चिम बंगाल में 18,459 लोगों की मौत हो चुकी है।

पीएमजेडीवाई दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों में पहुंच गई है जिससे समाज के सभी वर्ग लाभान्वित हो रहे हैं : विशेषज्ञ

Pradhan Mantri Jan Dhan Yojana

नई दिल्ली (आरएनएस)। भारत में वित्तीय समावेश की वास्तविक यात्रा वर्ष 2014 में तब शुरू हुई जब प्रधानमंत्री जन धन योजना (पीएमजेडीवाई) और अन्य संबंधित योजनाओं का शुभारंभ हुआ था। यह बात सुशांत कुमार साहू, उप महाप्रबंधक, भारतीय स्टेट बैंक, गुवाहाटी ने प्रधानमंत्री जन धन योजना की 7वीं वर्षगांठ के अवसर पर आयोजित एक वेबिनार को संबोधित करते हुए कही। इस वेबिनार का आयोजन आज पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), गुवाहाटी द्वारा किया गया।

वित्तीय समावेशन की चर्चा करते हुए साहू ने कहा कि वित्तीय समावेश के तहत समाज के आर्थिक रूप से कमजोर वर्गों को ऋण, निवेश, बीमा और पेंशन से संबंधित विभिन्न वित्तीय उत्पादों के माध्यम से मुख्य रूप से विश्वसनीय वित्तीय समाधान (सॉल्यूशन) उपलब्ध कराए जाते हैं। उन्होंने बताया कि असम में पीएमजेडीवाई के तहत रिकॉर्ड संख्या में बैंक खाते खोले गए। उन्होंने कहा कि जून, 2021 तक राज्य में 50 लाख परिवारों के सापेक्ष कुल 1 करोड़ 90 लाख पीएमजेडीवाई खाते हैं। उन्होंने अपने संबोधन में पीएम जीवन ज्योति बीमा योजना और अटल पेंशन योजना जैसी अन्य योजनाओं को मिली काफी अच्छी सफलता पर भी प्रकाश डाला।

साहू ने सभी हितधारकों जैसे कि विभिन्न जिला एवं ब्लॉक स्तर के सरकारी पदाधिकारियों और गैर सरकारी संगठनों (एनजीओ) से इस कार्यक्रम में अच्छी तरह से भाग लेने का अनुरोध किया, ताकि वित्तीय समावेश कार्यक्रम लोगों के सबसे निचले तबके तक पहुंच सके और इसके साथ ही यह अभियान सफलतापूर्वक निरंतर जारी रह सके।

वेबिनार को संबोधित करते हुए मती कुहू गांगुली, डीजीएम, भारतीय स्टेट बैंक, एलएचएम, कोलकाता ने बताया कि सिक्किम में अब तक 86 हजार जन धन खाते खोले जा चुके हैं। इसे एक बड़ी उपलब्धि बताते हुए उन्होंने कहा कि जन धन योजना के लाभ दूरस्थ और पहाड़ी क्षेत्रों तक पहुंच गए हैं जिनसे सभी वर्गों के लोग लाभान्वित हो रहे हैं।

प्रोफेसर एस. एस. महापात्रा, विभागाध्यक्ष, वाणिज्य, सिक्किम केंद्रीय विश्वविद्यालय ने पीएमजेडीवाई के संदर्भ में देश में वित्तीय समावेश और आर्थिक विकास की चर्चा की। उन्होंने कहा कि सात साल की छोटी सी अवधि में भारत में कई व्यापक बदलाव देखे गए हैं एवं वित्तीय समावेश का परिदृश्य काफी मजबूत हुआ है और अब यह निर्धनतम व्यक्तियों को भी वित्तीय सेवाएं देने में सक्षम है।

बिहार में गंगा, गंडक और कोसी खतरे के निशान से ऊपर, बाढ़ का खतरा

नई दिल्ली (आरएनएस)। बिहार में लगातार बाढ़ की स्थिति बरकरार है। बाढ़ से कई जिले प्रभावित हैं। लगातार हो रही बारिश ने बिहार में चिंता की लकीरें खींच दी हैं। इसके साथ-साथ गंगा, गंडक और कोसी नदी भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बिहार में बाढ़ की स्थिति लगातार बनी हुई है। अगर यहां बारिश होती रही तो स्थिति और भी बढ़ेगी। गंडक, गंगा और कोसी के अलावा अन्य नदियां भी खतरे के निशान से ऊपर बह रही है। बक्सर से लेकर भागलपुर तक गंगा के दोनों छोड़ बसे जिलों में बाढ़ का संकट बरकरार है। पटना, हाथीदह, भागलपुर, बेगूसराय में बाढ़ का खतरा अब भी है। बात अगर गंडक की करें तो बाल्मीकि नगर बराज से लगातार पानी छोड़े जा रहे है। गंडक में उफान की वजह से गोपालगंज, चंपारण और मुजफ्फरपुर के कई इलाके बाढ़ से प्रभावित है। बागमती नदी भी उफान पर है जिसकी वजह से मुजफ्फरपुर, शिवहर और दरभंगा में लगातार बाढ़ का खतरा बना हुआ है। कोसी में जलस्तर बढ़ने से सुपौल, सहरसा, मधेपुरा जैसे इलाकों में भी बाढ़ का खतरा बरकरार है। इससे पहले भी बिहार में बाढ़ की स्थिति बनी थी। खुद मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कई इलाकों का दौरा किया था।

देश में 75 हजार हेक्टेयर जमीन पर जड़ी-बूटियों की खेती की जायेगी

नई दिल्ली (आरएनएस)। आयुष मंत्रालय के अधीन राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड (नेशनल मेडीसिनल प्लांट्स बोर्ड-एनएमपीबी) ने आजादी के अमृत महोत्सव के क्रम में देशभर में जड़ी-बूटियों की खेती को प्रोत्साहन देने के लिये एक राष्ट्रीय अभियान की शुरूआत की है। इस कदम से किसानों की आय में बढ़ोत्तरी होगी और हरित भारत का सपना पूरा होगा। अभियान के तहत, देशभर में अगले एक वर्ष में 75 हजार हेक्टेयर रकबे में जड़ी-बूटियों की खेती की जायेगी। कार्यक्रम की शुरूआत उत्तर प्रदेश के सहारनपुर और महाराष्ट्र के पुणे से की गई है। यह 'आजादी का अमृत महोत्सव' के अंतर्गत आयुष मंत्रालय द्वारा आयोजित कार्यक्रमों की श्रृखला का दूसरा कार्यक्रम है।

पुणे में औषधीय पौधे किसानों को बांटे गये। जो लोग पहले से जड़ी-बूटियों की खेती कर रहे हैं, उन्हें सम्मानित किया गया। अहमदनगर जिले के पारनेर से विधायक नीलेश लंके, केंद्रीय यूनानी चिकित्सा अनुसंधान परिषद (सीसीआरयूएम) के महानिदेशक डॉ. आसिम अली खान और एनएमपीबी के उप मुख्य कार्यकारी अधिकारी डॉ. चंद्रशेखर सांवल ने भिन्न-भिन्न स्थानों से कार्यक्रमों की अगुवाई की।

डॉ. सांवल ने कहा, इस प्रयास से देश में औषधीय पौधों की आपूर्ति में और तेजी आयेगी। इस अवसर पर 75 किसानों को कुल मिलाकर 7500 औषधीय पौधे वितरित किये गये। इसके अलावा 75 हजार पौधे वितरित करने का लक्ष्य भी तय किया गया।

सहारनपुर में उत्तर प्रदेश के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. धर्म सिंह सैनी, एनएमपीबी के अनुसंधान अधिकारी सुनील दत्त और आयुष मंत्रालय के अधिकारियों ने सम्बंधित कार्यक्रम में हिस्सा लिया। उत्तर प्रदेश के आयुष राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) डॉ. धर्म सिंह सैनी ने जड़ी-बूटियों की खेती करने वाले किसानों को सम्मानित किया। आसपास के कई जिलों से आये 150 किसानों को औषधीय पौधे निशुल्क वितरित किये गये। पौधों की पांच प्रजातियां वितरित की गईं, जिनमें पारिजात, बेल, नीम, अश्वगंधा और जामुन के पौधे शामिल थे। किसानों को जामुन के 750 पौधे अलग से निशुल्क बांटे गये।

केंद्रीय आयुष मंत्री सर्बानन्द सोनोवाल ने कहा कि औषधीय पौधों के सिलसिले में देश की अपार क्षमता है और 75,000 हेक्टेयर रकबे में जड़ी-बूटियों की खेती से देश में दवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित होगी। इस कदम से जड़ी-बूटियों की खेती किसानों की आय का बड़ा स्रोत बनेगी। दवाओं की उपलब्धता के मामले में देश भी आत्मनिर्भर होगा। उल्लेखनीय है कि पिछले डेढ़ वर्षों में न सिर्फ भारत में, बल्कि पूरी दुनिया में औषधीय पौधों की मांग में बड़े पैमाने पर बढ़ोत्तरी देखने में आई है। यही कारण है कि अमेरिका में अश्वगंधा तीसरा सबसे ज्यादा बिकने वाला उत्पाद बन गया है।इसके अलावा 'आजादी का अमृत महोत्सव' कार्यक्रमों के तहत वाई-ब्रेक एप्प की शुरुआत, रोगों का उपचार करने वाली आयुष दवाओं का वितरण, 'आयुष आपके द्वार' तथा स्कूलों-कॉलेजों के छात्रों के लिये व्याख्यानों का आयोजन शामिल है। वाई-ब्रेक एप्प पर वेबीनार और व्याख्यानों का आयोजन पांच सितंबर को किया जायेगा।

महत्वपूर्ण एवं खास

स्कूल खुलते ही मुसीबत, 12 राज्यों में कोरोना की संक्रमण दर बढ़ी

नई दिल्ली (आरएनएस)। कोरोना महामारी के डेढ़ साल बाद देश में स्कूल खुलना शुरू हो चुके हैं। बच्चे, अभिभावक और शिक्षकों में इसे लेकर खुशी है, लेकिन 12 राज्यों में स्कूल खुलने के बाद से बच्चों में कोरोना की संक्रमण दर भी बढ़ी है। इनमें से छह राज्य ऐसे हैं जहां संक्रमित बच्चों की संख्या में एक फीसदी से भी अधिक बढ़ोतरी दर्ज की गई है। इसे लेकर स्वास्थ्य मंत्रालय ने भी राज्यों को एक बार फिर सख्त कोविड नियमों का पालन करने के लिए निर्देश जारी किए हैं। साथ ही स्कूलों की निगरानी के लिए जिला प्रशासन को अंतिम चेतावनी देते हुए सख्त कदम उठाने के लिए कहा गया है। हाल ही में स्वास्थ्य और शिक्षा मंत्रालय ने मिलकर दिशा निर्देश (एसओपी) तैयार किए थे। केंद्रीय स्वास्थ्य मंत्रालय से मिली जानकारी के अनुसार देश के कुछ राज्यों में स्कूल खोले करीब एक महीना बीत चुका है। इनमें पंजाब सबसे ऊपर है क्योंकि वहां सबसे पहले स्कूलों को शुरू किया गया। इसके बाद बिहार में बीते 15 अगस्त के बाद स्कूल शुरू हुए। इस बीच मध्य प्रदेश, उत्तराखंड, छत्तीसगढ़ इत्यादि राज्यों में भी बच्चे स्कूल जाने लगे हैं। खासकर पंजाब और बिहार के स्कूलों में कोरोना के मामले पिछले कुछ समय से बढ़े हैं।

कांगो में आतंकवादी हमले में 10 लोगों की मौत, 25 लापता

किंशासा। अफ्रीकी देश कांगो के उत्तरपूर्वी हिस्से में एलाइड डेमोक्रेटिक फोर्सेज (एडीएफ) के आतंकवादियों के हमले में कम से कम 10 लोगों की मौत हो गई और 25 अन्य लापता हो गये। आतंकवादियों ने इटुरी प्रांत में वाहनों के एक काफिले पर यह हमला किया है। कांगो की सेना और संयुक्त राष्ट्र शांति सैनिकों द्वारा काफिले की सुरक्षा सुनिश्चित किये जाने के बावजूद आतंकवादी यह हमला करने में सफल रहे। आतंकवादियों ने हमला कर 14 वाहनों को जला दिया और 25 लोगों को बंधक बना लिया।

अमेरिका में हाई स्कूल में गोलीबारी, एक छात्र की मौत

वाशिंगटन। अमेरिका के नार्थ कैरोलिना प्रांत में एक हाई स्कूल में गोलीबारी की घटना में एक छात्र की मौत हो गयी। विंस्टन-सलेम पुलिस प्रमुख कैटरीना थॉम्पसन ने प्रेस कांफ्रेंस में बताया कि शहर के माउंट ताबोर हाई स्कूल में गोली लगने से एक छात्र घायल हो गया। घायल छात्र को तत्काल वेक फॉरेस्ट यूनिवर्सिटी बैपटिस्ट मेडिकल सेंटर ले जाया गया, जहां उसने दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि संदिग्ध हमलावर छात्र अभी पुलिस की गिरफ्त से बाहर है। घटना के बाद स्कूल का बंद कर दिया गया। इससे पहले सोमवार को इसी तरह की घटना में विलमिंगटन के न्यू हनोवर हाई स्कूल में एक छात्र को गोली मार दी गयी थी।

ब्राजील में कोरोना संक्रमितों की संख्या बढ़कर 2.08 करोड़ से पार

रियो डि जैनिरो। ब्राजील में पिछले 24 घंटों में कोरोना संक्रमण के 27 हजार से अधिक नये मामले सामने आये और संक्रमितों का आंकड़ा 2.08 करोड़ से पार हो गया। ब्राजील के स्वास्थ्य मंत्रालय के मुताबिक कोरोना संक्रमण के 27,345 नये मामलों के साथ संक्रमितों का आंकड़ा बढ़कर दो करोड़ 08 लाख 04 हजार 215 हो गया है। इसी अवधि में 737 मरीज अपनी जान गंवा बैठे और इस बीमारी से मरने वालों की संख्या पांच लाख 81 हजार 150 हो गयी। वहीं 1.90 करोड़ से अधिक लोग कोरोनामुक्त हो चुके हैं। ब्राजील कोरोना संक्रमण के मामलों में अमेरिका और भारत के बाद विश्व का तीसरा तथा मृतकों की संख्या के हिसाब से अमेरिका के बाद दूसरे स्थान पर है।

काबुल हवाईअड्डे की बहाली पर कतर से अभी समझौता नहीं

काबुल। तालिबान ने कहा है कि अफगानिस्तान की राजधानी काबुल में हामिद करजई अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की बहाली कतर के साथ समझौता निष्कर्ष पर नहीं पहुंचा है। तालिबान के राजनीतिक कार्यालय के प्रवक्ता मोहम्मद नईम ने कहा कि तालिबान को काबुल हवाई अड्डे के संचालन के लिए तकनीकी सहायता की आवश्यकता है, लेकिन सुरक्षा दायित्व अपने पास ही रखेगा।